हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, सोमवार, 1 जुलाई 2024

11 श्यामजी बगीची में बरगद के 101 पौधों का...

12 प्रभु का नाम सारी उलझनों को सुलझाने वाला

खबर संक्षेप

झुग्गी बस्ती से किशोरी लापता, मामला दर्ज

लोहारू। उपमंडल के एक गांव में झुग्गी बस्ती में रहने वाली प्रवासी किशोरी लापता हो गई। जिसकी शिकायत किशोरी के पिता ने लोहारू पुलिस थाने में दर्ज कराई है। किशोरी के पिता ने बताया कि वह कई साल से परिवार के साथ झुग्गी बस्ती में रहता है। बीते दिवस उसकी 16 वर्षीय बेटी घर से लापता हो गई। उसकी तलाश भी की गई लेकिन वह नही मिली।

संदिग्ध परिस्थितियों में 41 वर्षीय व्यक्ति लापता

बाढ़ड़ा। गांव हुई से 41 वर्षीय व्यक्ति संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गया। परिजनों ने बाढ़ड़ा थाना पुलिस को शिकायत देकर उसकी तलाश करने की गुहार लगाई है। पुलिस को दी शिकायत में गांव हुई निवासी कश्मीर ने बताया कि उसका 41 वर्षीय बेटा प्रदीप उर्फ छोटू 28 जून को सुबह दस बजे बिना बताए कहा चला गया। उन्होंने उसकी काफी तलाश कर ली लेकिन उसके बारे में कोई जानकारी नहीं मिली। उसने पुलिस को शिकायत देकर उसके बेटे की तलाश करने की गुहार लगाई है। जिसके आधार पर बाढ़ड़ा थाना पुलिस ने बीती रात गुमशुदगी का केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

जिम्नास्टिक खिलाड़ी राहुल लडवाल की हत्या का मामला

हत्यारोपियों की गिरफ्तारी को लेकर लोगों ने किया प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

राष्ट्रीय स्तरीय जिम्नास्टिक खिलाड़ी राहुल लडवाल के हत्या के आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर गुस्साएं परिजनों व विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने संयुक्त रूप से रविवार को शहर में प्रदर्शन किया तथा एसडीएम हरबीर सिंह व डीएसपी रमेश कुमार के माध्यम से मुख्यमंत्री को मांगपत्र सौंपा। परिजन व संगठनों के प्रतिनिधि महीने से जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों से न्याय की गुहार लगा रहे हैं, लेकिन न्याय नहीं मिल रहा। उन्होंने प्रदर्शन कर जल्द से जल्द आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग उठाई।

प्रदर्शन की शुरूआत हत्यारोपियों की गिरफ्तारी को लेकर गठित कमेटी द्वारा नेहरू पार्क से हुई। उल्लेखनीय हैं कि नेहरू पार्क में मृतक के परिजन व संगठनों के प्रतिनिधि एकत्रित हुए। इसके बाद प्रदर्शनकारी हांसी गेट, पुराना बस अड्डा होते हुए उपायुक्त कार्यालय पहुंचे तथा वहां पर नारेबाजी करते हुए आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग उठाई। प्रदर्शनकारियों के गुस्से को देखते हुए एसडीएम हरबीर सिंह व डीएसपी रमेश कुमार पहुंचे। उन्होंने मांगपत्र लेकर तीन व्यक्तियों की एसआईटी गठित कर 10 जुलाई तक आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करने का आश्वासन दिया। इस मौके पर कामरेड ओमप्रकाश, भूप प्रजापति, अधिवक्ता सुनीता गोलपुरिया, करतार ग्रेवाल, श्रीकांत योगी, पार्षद विनोद प्रजापति, सुंदर कोच आदि ने मांगपत्र सौंपकर राहुल लड़वाल हत्या मामले की निष्पक्ष जांच करने, मृतक के परिवार को एक करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता व एक परिजन को सरकारी नौकरी देने की मांग उठाई।

भिवानी। हत्यारोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर शहर में प्रदर्शन करते और एसडीएम नरबीर सिंह को ज्ञापन सौंपते मृतक के परिजन व विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि।

...इन संगठनों ने की भागीदारी

प्रदर्शन में जनसंघर्ष समिति, दलित अधिकार मंच, संत गुरू रविदास महासभा, बहुजन क्रांति मोर्चा, राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा, बहुजन मुक्ति पार्टी, स्वामी जीतू धानक समाज कल्याण सेवा समिति, यूथ कांग्रेस, धानक वीर मराठा, संत शिरोमणि कबीर साहेब सभा, ओबीसी मोर्चा, जोगी समाज महासभा, सीटू यूनियन, लाल झंडा मजदूर यूनियन, कबीर आंबेडकर क्रांति मोर्चा, धानक महासभा बावड़ी गेट, आंबेडकर महासभा, सैनी विचार मंच के पदाधिकारियों ने भागीदारी की।

प्रदर्शन में ये रहे शामिल

प्रदर्शन में अमन तंवर राघव, शिवकुमार बोस, नरेंद्र अजीतपुर, प्रदीप नागर, भीम सिंह, रवि बॉक्सर, अनिल डाबला, भगवानदास कालिया, प्यारेलाल कायत, सुखदेव पालुवास, मनजीत नागर, जोगेंद्र मिर्चिया, पार्षद जयवीर रंगा, हरीश गौतम, अनिल, जोनी, रमन, दीपक, श्रीकांत योगी, रजत वाल्मीकि, महेंद्र बिधनोई, आजाद प्रधान, सुनील सोलंकी, पूर्व पार्षद प्रतिनिधि अशोक जोगी, रामेश्वर गोलागढ़, मेवासिंह खनगवाल, ओमकार सैनी आदि मौजूद रहे।

जोहड़ में मिला था शव

उन्होंने बताया कि राहुल अपने परिवार की रीढ़ था तथा एकमात्र कमाने वाला व्यक्ति था। एक जून को राहुल का शव बिछवाना जोहड़ में मिला तथा पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर मृतक के शरीर पर 18 चोटों के निशान भी मिल। पुलिस ने मामले में नामजद युवकों के खिलाफ केस दर्ज करने के बावजूद अभी तक आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हुई, जिसके चलते परिजनों में गुस्सा है। प्रदर्शन के माध्यम से पुलिस प्रशासन को चेताया कि उन्हें 10 तक आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हुई तो आंदोलन और तेज करेंगे तथा अनिश्चितकालीन धरने पर बैठेंगे।

सेवानिवृत्ति पर रोडवेज कार्यशाला में विदाई समारोह

तोशाम। रविवार को हरियाणा राज्य परिवहन तोशाम की कार्यशाला परिसर में हरियाणा रोडवेज की बुकिंग ब्रांच में निरीक्षक के पद पर कार्यरत रमेश पटौदी की सेवानिवृत्ति के मौके पर विदाई समारोह का आयोजन किया गया। 58 वर्ष की आयु में सेवानिवृत्त हुए रोडवेज कर्मचारी रमेश पटौदी कि सेवानिवृत्ति पर साथी कर्मचारियों ने धूमधाम से मान.सम्मान के साथ उनका विदाई समारोह आयोजित किया। इस दौरान कार्यक्रम का संचालन दिलबाग सिंह लांबा ने किया। रोडवेज कर्मचारियों ने रमेश पटौदी की उपलब्धियां पर प्रकाश डालते हुए उनकी सेवा के लिए सब डिपो तोशाम की तरफ से बधाई दी तथा उनके उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। वहीं रमेश पटौदी के साथी कर्मचारी कुलदीप बेडवाल व रमेश खावा ने रमेश पटौदी की अच्छी सेवा की सराहना करते हुए उनके अच्छे स्वास्थ्य की मंगलकामना की। इस अवसर पर रतन सिंह, विजय, रामकुमार, धर्मवीर पंघाल, राजेश गांधी, विक्त्रम संडवा, कुलदीप दरियापुर, संजय डाबला, रमेश खावा, राजेश, रामकुमार, दिलबाग सिंह लांबा, मुकेश, जयदेव, वीरेंद्र पूनिया, रमेश सोनी, नरेश टाला, जयमल, मुकेश, जयवीर आदि सहित अनेक कर्मचारी मौजूद रहे।

मौलिक मुख्याध्यापक सुंदर सिंह धानिया सेवानिवृत्त

भिवानी। शिक्षक एक दीपक की तरह है, जो विद्यार्थी के जीवन को ज्ञान की रोशनी से प्रकाशित करने का काम करता है। शिक्षक विद्यार्थी को जो ज्ञान और शिक्षा प्रदान करते हैं, वह एक सफल जीवन में अहम भूमिका निभाती है, इसीलिए गुरु का स्थान सर्वश्रेष्ठ होता है। ये बात ग्राम स्वराज किसान मोर्चा द्वारा गठित गौ किसान समृद्धि ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष युद्धवीर खरेटा ने गांव खावा स्थित राजकीय माध्यमिक विद्यालय के मौलिक मुख्याध्यापक सुंदर सिंह धानिया 29 वर्षो की सेवा उपरांत सेवानिवृत्ति पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। इस मौके पर एक पौधा रोपित करवाकर अभियान की शुरुआत की गई। युद्धवीर ने कहा कि सुंदर सिंह धानिया का कार्यकाल काफी सराहनीय रहा। धानिया कर्तव्यनिष्ठा की मिसाल रहे, इस अवसर पर पूर्व खंड शिक्षा अधिकारी रघुबीर सिंह, बीआरसी सत्यवान दुल, सरपंच ओमप्रकाश दुल, सीताराम सिंधनवा, अध्यापक बिजेंद्र काजला आदि मौजूद रहे।

डर रखने से हम अपनी ज़िंदगी को बढ़ा तो नहीं सकते. डर रखने से बस इतना होता है कि हम ईश्वर को भूल जाते हैं, इंसानियत को भूल जाते हैं.ऐसे देश को छोड़ देना चाहिए जहाँ धन तो है लेकिन सम्मान नहीं|

- विनोबा भावे

गतांक से आगे

भगवान की मूर्ति के सामने हाथ जोड़े वैभव अपने मन की पीड़ा को मौन हो व्यक्त कर रहा था। शरीर में थकान उसे भी महसूस हो रही थी लेकिन वह खुद पर नियंत्रण रखे थे। रात भी जाने कितनी लम्बी थी जो सरक ही नहीं रही थी। वह कृति के कमरे के बाहर दरवाजे पर टेक लगातार जमीन पर बैठ जाता है। नींद उसे अपने आगोश में ले दुनिया के झंझटों से दूर ले जाती है।

कहानी | दिव्या शर्मा

शक का संक्रमण

कृति ने चाय को गले से उतारा और स्टीम लेने लगी। वैभव वहीं खड़ा था।

'तुम जाओ...बीमार हो जाओगे...जाओ प्लीज।'कृति ने जोर देकर कहा।

'मैं ठीक हूँ। सुबह कोरोना का टेस्ट होगा हमारा। तुम रिलेक्स रहना कृति।' वैभव उसे समझाते हुए बोला। कृति ने हाँ में सिर हिलाया। थोड़ी देर में वह फिर से सो गई। कोरोना के लक्षण अभी इतने नहीं दिखाई दे रहे थे, लेकिन वैभव डर गया। कृति के मायके फोन कर खबर देने के बाद वैभव ने सारे घर को सेनिटाइज किया। चाय का कप लेकर कृति के कमरे के बाहर ही बैठ गया। कृति बीच बीच में खाँस रही थी और बेचैनी से अपने सीने को रगड़ रही थी। अस्पताल ले जाना खतरनाक था, क्योंकि अस्पताल से आती मौत की खबरों ने दहशत मचा रखी थी। वैभव की आँखों में नींद नहीं थी। वह एकटक कृति को देख रहा था। कृति बार बार अपनी गर्दन पर हाथ फेर रही थी। बाहर फैला काला स्याह सन्नाटा कोरोना के साथ मिलकर सबके दिलों से खेल रहा था जैसे 'पा...पानी' कृति के होंठ बुदबुदाए।

वैभव भागकर फ्लास्क में से गुनगुना पानी निकाल कर कृति के होंठों से लगा देता है। लिटाकर टेम्प्रेचर लेता है। बुखार कुछ कम हुआ था, लेकिन अब भी एक सौ दो पर अटका था।

भगवान की मूर्ति के सामने हाथ जोड़े वैभव अपने मन की पीड़ा को मौन हो व्यक्त कर रहा था। शरीर में थकान उसे भी महसूस हो रही थी लेकिन वह खुद पर नियंत्रण रखे थे।

रात भी जाने कितनी लम्बी थी जो सरक ही नहीं रही थी। वह कृति के कमरे के बाहर दरवाजे पर टेक लगातार जमीन पर बैठ जाता है। धीरे धीरे नींद उसे अपने आगोश में ले दुनिया के झंझटों से दूर ले जाती है। रात अब भी जाग रही थी। स्याह काले सन्नाटे के साथ बीच बीच में पुलिस की गाड़ी की आवाज़ सुन यह सन्नाटा कहीं दुबक जाता, लेकिन गाड़ी के गुजरते ही बेशर्मी से ठठाकर हँस पड़ता। शहर के घरों में कैद जिन्दगियां एक दूसरे से दूरी बनाएं एक दूसरे की सलामती की दुआएँ कर रही थी।

कोरोना ने लोगों के पैरों को तोड़ दिया था जैसे वह अपने पैरों की रफ्तार थाम चुके थे, लेकिन दिमाग में चलते विचार भविष्य के अंधकार को दिखा रहे थे। सूरज अपने समय पर उगा। खिड़की से आती सूरज की रोशनी कृति के चेहरे पर पड़ने लगी। वह नींद से जाग जाती है। शरीर में टूटन थी। सहारा ले बिस्तर से उठती है और बाथरूम में घुस जाती है। वैभव दरवाजे के पास ही जमीन पर बेखबर सो रहा था। बाथरूम से बाहर आकर कृति की नजर जमीन पर लेटे वैभव पर पड़ती है। वह कसमसा कर रह जाती है। अपने शरीर में दो कदम चलने की हिम्मत भी कृति से नहीं हो रही थी। साँस लेने में उसे तकलीफ होने लगी। वह वैभव को बुलाना चाहती थी, लेकिन खाँसी के तेज उफान से यह नहीं हो सकता था। उसके खाँसने की आवाज़ से वैभव की नींद टूट जाती है वह हड़बड़ा कर उठता है और देखता है कि कृति बिस्तर पर सिकुड़ कर लेटी हुई है। वह अपने मुँह पर मॉस्क ठीक करता है और उसके पास जाकर उसे सीधा करता है। कृति गले में रुकावट का इशारा करती है। वैभव गुनगुना पानी उसके गले में उतार देता है। कृति को राहत महसूस होती है।

वैभव की घबराहट कृति के लिए बढ़ती जा रही थी। वह लगातार व्हाट्सएप पर ऑक्सीजन सिलेंडर के इंतजाम के लिए मैसेज कर रहा था। ऑक्सीमीटर ऑर्डर कर वैभव कोरोना हेल्पलाइन सेंटर में कॉल कर कृति की स्थिति बताता है। वहाँ से वैभव को कुछ निर्देश मिलते हैं। कोरोना टेस्ट के लिए पीपीई किट पहने दो लोग आए और उनका सैंपल ले गए। मौत का भय कैसे मस्तिष्क को शून्य कर देता है यह वैभव और कृति महसूस कर रहे थे। बिस्तर पर पड़ी कृति वैभव की उसके लिए चिंता साफ महसूस कर रही थी। प्यार जो स्याही सोखते की तरह कहीं सारी भावनाओं को सोख रहा था एक बार फिर वापस तरल होने लगा। घर के काम और कृति की देखभाल में वैभव भूल गया था कि कृति उसके साथ बस कुछ दिनों के लिए है। ऑक्सीमीटर से रोज ऑक्सीजन नापने से लेकर कृति को नहलाने तक का काम वैभव कर रहा था और कृति उसके प्रेम को धीरे धीरे पी रही थी। मन में अजीब सी ग्लानि महसूस कर कृति अक्सर रो देती लेकिन वैभव के सामने सामान्य बनी रहती। कृति तकलीफ में थी। मन से भी और शरीर से भी, लेकिन उसके अपनों ने उससे दूरी ही रखी। शायद भय था कि कहीं कृति उनसे कोई मदद न माँग ले। वैभव कोरोना को लेकर ऑनलाइन सर्च करता रहता। कृति के इलाज के साथ सावधानी और उसकी डाइट पर वैभव कोई लापरवाही नहीं करना चाहता था। दिन बीत रहे थे और कृति तेजी से रिकवर कर रही थी, लेकिन कमजोरी इतनी थी कि वह खुद के काम करने में भी सक्षम महसूस नहीं कर रही थी। बॉलकनी में कुर्सी पर बैठी कृति शहर के सन्नाटे को महसूस कर रही थी। आस पास के फ्लैट्स की बॉलकनी के दरवाजे कस कर बंद पड़े थे। शायद सबको उसका कोरोना पॉजिटिव होना पता चल गया था। इंसानों के बीच आई यह दूरी कितनी पीड़ादायक थी। वह अपने ख्यालों में खोई थी कि रसोई से आती तेज आवाज़ से उसका ध्यान भंग हुआ। वह दीवार का सहारा लेकर कमरे से बाहर निकली। रसोई में वैभव अपना हाथ झटक रहा था। फर्श पर दूध का बरतन पड़ा था जिसमे से भाप उठ रही थी। माजरा समझते उसे देर न लगी वह बेचैनी से चिल्लाई, 'वैभव ठंडा पानी डालो हाथ पर. जल्दी करो वैभव!' 'ठीक है...लेकिन तुम जाओ आराम करो परेशान न हो।' वैभव ने फ्रीज खोलते हुए कहा। 'अभी भी मेरी चिंता कर लो! ठीक हूँ मैं. अपना हाथ दिखाओ।' वह चिल्लाई। वैभव का हाथ लाल हो गया था। 'क्या किया तुमने ये! हाथ से बरतन उठा रहे थे क्या? बरतन गरम है यह तो देख लेते!' कृति गुस्से से बोली। 'मेरी चिंता मत करो.वैसे भी अकेले ही रहना है मुझे।' अपनी हथेली को कृति की हथेलियों से.छुड़ाकर वह बोला। 'तो तुम क्यों चिंता कर रहे थे मेरी! रातदिन मेरे लिए दौड़ रहे हो। मेरे लिए अपनी नींद खो रहे हो। मरने देते मुझे।' कृति की आवाज़ में दर्द था। 'प्यार करता हूँ तुमसे। तुम्हारे लिए तो जान भी दे सकता हूँ!' वैभव न कहा।

'तो क्यों नहीं मुझे रोक लेते!' सुबकते हुए कृति बोली। 'मैंने तो कभी तुमसे दूर होने की कल्पना नहीं की .तुम ही मुझसे नफरत करती हो!' वैभव रसोई के फर्श पर बैठ गया। 'नफरत! तुम...तुम...वो मेघना...मैंने तुम्हें उसके साथ..तुमने मुझे धोखा क्यों दिया वैभव?' तड़प उठी कृति। 'मैं तुम्हें धोखा देने की कल्पना भी नहीं कर सकता। उस रात मेघना को अस्थमा का अटैक आया था। मैं सिर्फ उसे गोद में उठाकर पार्किंग में कार में बिठा रहा था, लेकिन तुमने सिर्फ यही देख मुझ पर शक किया। मेघना को भी अपराधी बना दिया जबकि उस समय खतरे में थी!' वैभव एक साँस में बोल गया।

> *'नफरत! तुम...तुम...वो मेघना...मैंने तुम्हें उसके साथ..तुमने मुझे धोखा क्यों दिया वैभव?' तड़प उठी कृति। 'मैं तुम्हें धोखा देने की कल्पना भी नहीं कर सकता। उस रात मेघना को अस्थमा का अटैक आया था। मैं सिर्फ उसे गोद में उठाकर पार्किंग में कार में बिठा रहा था, लेकिन तुमने यही देख मुझ पर शक किया। मेघना को भी अपराधी बना दिया जबकि उस समय खतरे में थी!' वैभव एक साँस में बोल गया।*

कृति खामोश हो नीचे बैठ गई। उसकी आँखों से बहता पानी अपनी गलती का एहसास करा रहा था। वैभव उसके गालों पर आँसू देख परेशान हो गया। 'तुम रो क्यों रही हो कृति! देखो अभी तुम्हारी तबीयत पूरी तरह ठीक नहीं। साँस लेने में दिक्कत हो जायेगी।' वैभव बोला। 'कुछ नहीं होगा मुझे। इस कॉरोना संक्रमण ने मेरे शक के संक्रमण को मार दिया है वैभव। मुझे माफ कर दो मुझसे बहुत बड़ी गलती हो गई। तुम्हें किसी और के करीब देख मेरी चेतना शून्य हो गई थी। मैं ईर्ष्या में गलती कर गई। तुम्हारा अपमान किया तुम पर आरोप लगाए.मुझे माफ कर दो वैभव।' कृति हाथ जोड़कर बिलखने लगी।

'तुम्हारी आँखों में अपने लिए नफरत देख मैं कितना तड़पा हूँ तुम नहीं समझ सकती। अब ऐसे रोकर मुझे और तड़पा रही हो। कैसे सोच लिया था तुमने कि तुम्हारे बिना मैं जिन्दा रह पाता. मर जाता मैं मर जाता।' इतना कहकर वैभव ने कृति को बाँहों में भींच लिया। दोनों के आँखों से बहता पानी प्रेम के सागर को और गहरा करने लगे.अगली तारीख पर अपना फैसला सुनाने के लिए कृति ने वैभव के सीने से लिपट गई। *(समाप्त)*

रागनी | महेन्द्र सिंह बिलोटिया

झूँठ कपट छल बेईमाने तै हर मानस लाचार मिलै
किस किस तै बच पावोगे सबके हाथ कटार मिलै

राजनीति में झूठे नेता बैठे हैं दरबारों म्हैं
प्रजा हित प्रस्ताव गल जाते अखबारों म्हैं
नकली चीज़ बजारों मै,असली पर तकरार मिलै
किस किस तै बच पावोगे सबके हाथ कटार मिलै

मन्दिर अन्दर भगवान बणगे देख पुजारी
ईष्ट देव से ज्यादा देखों चेली लाग प्यारी
सत्संग के म्हा रहीं नाच कुंवारी सब तरह सिंगार मिलै
किस किस तै बच पावोगे सबके हाथ कटार मिलै

कपटी तो सरपंच बेईमान सब पचं बणे
चन्दा करकै खा जाते कई तरह के मचं बणे
ये डिनर कहीं लंच बणे ना खाणे लायक आहार मिलै
किस किस तै बच पावोगे सबके हाथ कटार मिलै

कुत्ते केसा सुभा आदमी काटण खातर दौड़
सास ससुर देवर जेठ का आज बहु सिर फौड़
महेन्द्र सिंह रागनी जोड़ बिलोट भण्डार मिलै
किस किस तै बच पावोगे सबके हाथ कटार मिलै

कविता | मनीषा मंजरी

वियोग

ये कालिमा कैसी है, जिसमें तारे भी विलीन हो गए हैं,
अँधेरा है ये अंतरिक्ष का या दीये मन के बुझ गए हैं।
इंद्रधनुष है ये कैसा, रंग जिसके मिट गए हैं,
रंगहीनता है ये आकाश की, या रौशनी आँखों से छीन गए हैं।
अम्बर है ये कैसा, विस्तृतता पर जिसके पहरे लग गए हैं,
संक्षिप्तता है ये नीलाम्बर की, या सपने खुद में सिमट गए हैं।
गहराई है ये कैसी, जिसमे सागर उथल गए हैं,
छिछलापन है ये समंदर का या, दर्द पलकों से टपक गए हैं।
ये खामोशी कैसी है, जिसमें शोर सारे हीं थम गए हैं,
शून्यता है ये ब्रह्माण्ड की, या निःशब्दिता से होंठ सिल गए हैं।
ये मेले हैं कैसे, जिसमें एकाकी व्यक्तित्व भटक गए हैं,
अभाव है ये भीड़ का या, दलदल में तन्हाई के रूह धंस गए हैं।
ये खेल है कैसा, जिसमें पराजित से हो गए हैं,
बेवफाई है ये मोहरों की, ये भाव विजय के हमसे मुकर गए हैं।
ये भागमभाग है कैसी, जिसमें कदम ठहर गए हैं,
ठहराव है ये सफर का या, विरक्त शख्सियत से हम हो गए हैं।
ये विरह है कैसा, जिसमें चेहरे तक बादलों के हो गए हैं,
इंतज़ार है ये अनंत का या अनन्तता में यादों की हम बिखर गए हैं।

कहानी | रविंद्र बत्रा

दस रुपये

सब्जी लेने जैसे ही रमन उस मार्केट में पहुंचा, देखा एक पहलवान टाइप लड़का एक सब्जी वाले की रेहड़ी को उल्टाने की कोशिश कर रहा था। सब्जीवाला भी उसे चुनौती देते हुए कह रहा था, उल्टा दो, सड़क के बीच में उल्टा दो। रेहड़ी पर आलू, प्याज और टमाटर थे। जाहिर है रेहड़ी के उलटने से काफी नुकसान होना था। दोनों का अहम अपनी चरम सीमा पर था। पहलवान लगभग रेहड़ी को उल्टाने ही वाला था। रमन आमतौर पर दब्बू किस्म का आदमी था बस अपने काम से काम रखना। जहां बच सके, दो पैसे बचाना। कभी-कभी वह एक कप चाय भी इसलिए नहीं पीता था, कि दस रुपये बच जाएंगे और बच्चों के काम आएंगे, पर पता नहीं क्या सोचकर रमन एक क्षण के लिए वहां खड़ा हो गया। अपने कमजोर शरीर और पहलवान की कद-काठी से डरते-डरते भी, उसका हाथ पकड़ लिया और बोला, 'मुझे तुमसे बात करनी है।' पहलवान थोड़ी अकड़ दिखाते हुए बोला, 'यही बताओ, जो बताना है।' रमन उसके कान के पास जाकर धीरे से बोला, 'क्यों किसी गरीब आदमी की आह लेते हो। क्या बात हो गई। इसमें कोई गलती की है तो मैं इसकी तरफ से माफी मांगता हूं।' पहलवान बोला, 'मुझसे बदतमीजी से बात कर रहा था। एक तो मेरी दुकान के आगे रेहड़ी लगाई हुई है, ऊपर से दस रुपये कम करने के लिए कहा तो बकवास भी कर रहा है।' रमन बोला, 'मैं इसकी तरफ से माफी मांगता हूं, कोई बात नहीं। गरीब आदमी है। उसकी बद्दुआ मत लो।' पहलवान के कान में बात करते हुए रमन ने महसूस कर लिया, उसने शराब भी पी रखी है। एक पहलवान ऊपर से शराब का उन्माद। उलझने में पिटने का खतरा भी हो सकता था। रमन ने सब्जी वाले से कहा, 'भैया ऐसा करो इसकी दुकान के आगे से रेहड़ी हटा लो। मैं कहीं और लगवा देता हूं।' रमन उसकी सब्जी की रेहड़ी को पीछे कर रहा था, तभी पहलवान ने इशारे से रमन को अपने पास बुलाया। रमन के सारे शरीर में किसी अनहोनी की आशंका से सिरहन दौड़ गई। रमन जैसे ही उसके पास पहुंचा वह पहलवान उसकी तरफ थोड़ा झुकते हुए बोला, 'मेरा सामान उसके पास तुला पड़ा हैं। यह लो सौ रुपये वह अस्सी मांग रहा है, मैं साठ कह रहा हूं। जितने ले दे देना।' रमन ने रेहड़ी वाले से पूछा, 'कितने का सामान है बोला अस्सी का है, सत्तर दे दो।' रमन बोला, 'वह साठ कह रहा है, आप साठ ही काट लो। पागल सा लग रहा है, शराब भी पी रखी है। अगर आपको घाटा हो रहा है तो दस रुपये मुझसे ले लेना।' रेहड़ी वाले ने साठ रुपये काटकर बाकी पैसे रमन को लौटा दिए। रमन ने सब्जी की थैलियां और पैसे लिए और पहलवान को पकड़ा दिए। अचानक वह पहलवान रमन के पैरों की तरफ झुक गया और पैर छूते हुए बोला 'सॉरी'। अचानक हुई इस घटना से अचंभित रमन की आंखें भीग गई। इधर इस दौरान इस सब्जी वाले की रेहड़ी की जगह पर किसी अन्य रेहडी वाले ने अपनी रेहड़ी लगा ली। रमन ने उससे अनुरोध किया, 'भैया आप रेहड़ी को थोड़ी परे कर लो, इसको यहां लगाने दो। इसकी रेहड़ी यही लगी हुई थी। झगड़ा हो रहा था तो मैंने इसे पीछे करवाया था।' हालांकि वहां दोनों रेहड़ियों की जगह बन सकती थी, लेकिन अब आया रेहड़ी वाला, अपनी रेहड़ी को साइड में करने को तैयार नहीं था। तभी थोड़ी दूर खड़ा हुआ पहलवान आया और इस नए रेहड़ी वाले को बोला, 'अबे! उसको रेहड़ी लगाने दे यहां। मैंने हटवाई थी। यह मेरी दुकान के आगे की जगह है। यह कहते-कहते उसने खुद ही अपने हाथों से उसकी रेहड़ी को वहां जगह बनाकर लगा दिया। पहलवान के जाने के बाद रमन ने सब्जी वाले से कहा, 'मुझे एक किलो आलू दे दो और सुनो अगर तुम्हें घाटा हुआ है तो मेरे पैसो में से दस रुपये काट लो।' सब्जी वाले ने आलू दिए और रमन के पैसों में से दस रुपये ज्यादा काट लिए। जब रमन घर की तरफ जा रहा था उसके मन में अजीब सा द्वंद था। एक पहलवान था, जो अपनी गलती मान कर उसके पैर छूकर गया था। एक सब्जी वाला था, जिसकी रेहड़ी पलटने से रमन ने बचाया था और जिसने एक बार भी यह नहीं कहा की यह दस रुपये रहने दो, जो आप अपनी जेब से दे रहे हो। कौन सही था, कौन गलत फैसला करना बहुत मुश्किल था।

साहित्य की महत्ता को नकारा नहीं जा सकता, क्योंकि साहित्य पथ-प्रदर्शक भी है। आज साहित्यिक पुस्तकें कम पढ़ी जाती हैं। इंटनेट और सोशल मीडिया के युग में अपनी पसंद से पाठक ऑनलाइन साहित्य पढ़ते हैं, जो सामाजिक दृष्टि से सकरात्मक पहलू है।

साक्षात्कार | ओ.पी. पाल

सामाजिक संस्कारों में साहित्य की अहम भूमिका: राजश्री

साहित्यकार अपनी विभिन्न विधाओं से समाज को नई दिशा देते आ रहे हैं। गद्य व पद्य दोनों ही शैलियों में साहित्य सृजन करने वाले साहित्यकारों में हर किसी लेखक का ध्येय यही है कि उनकी रचनाएं समाजिक बुराइयों को उजागर करके समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करें। सामाजिक रीति रिवाज और संस्कृति के साथ संस्कारों को संजोने वाले ऐसे साहित्यकार और लेखकों में हरियाणा की महिला रचनाकार भी पीछे नहीं हैं। ऐसी ही महिला साहित्यकार राजश्री गौड़ भी सामाजिक सरोकारों से जुड़े मुद्दों पर अपने रचना संसार को आगे बढ़ाने में जुटी हैं। रचनाकार और कवयित्री राजश्री गौड़ ने अपने साहित्यिक सफर को लेकर हरिभूमि संवाददाता से हुई बातचीत के दौरान कई ऐसे पहलुओं का जिक्र किया है, जिससे साहित्य के बिना सामाजिक संरचना अधूरी है।

राजश्री का जन्म पलवल जिले की तहसील हथीन में 24 नवम्बर, 1956 को एक शिक्षित और समृद्ध परिवार पं. चिन्तामणि पाराशर व जय देवी के घर में हुआ। उनके बाल्यकाल के दौरान ही उनका संयुक्त परिवार सोनीपत में आकर बस गया, इसलिए उनकी पूरी शिक्षा दीक्षा सोनीपत में ही हुई। उनके पिता कुश्ती, कबड्डी व वालीबॉल के खिलाड़ी थे, लेकिन दादा के देहावसान के कारण उन्हें पैतृक काम ज्वैलरी और जवाहरात का बिजनेस संभालना पड़ा। राजश्री की प्रारंभिक शिक्षा आर्या गर्ल्स स्कूल में हुई और उन्होंने हिन्दू गर्ल्स कॉलेज, सोनीपत से बी.ए. और बीएड किया। इसके बाद एम.ए. (हिन्दी) में दाखिला लिया, लेकिन किन्हीं कारणों से पूरी नहीं हो सकी। अपने शिक्षित परिवार में उन्होंने दादी को गीता और रामायण तथा माँ को भजन गुनगुनाते घर के काम करते देखा, तो वहीं उनके पिता का साहित्य से बहुत लगाव था, जो हमेशा सोने से पहले शरतचंद्र, बिमल मित्र व मुंशी प्रेमचंद के उपन्यास पढ़ते थे। वहीं घर में पत्र पत्रिकाएं भी आती थी, जिनमें से पिताजी उन्हें कविताओं को कंठस्थ कराते थे और शनिवार को स्कूल में होने वाली बालसभाओं में वह कविताएं सुनाती थी। ऐसे में साहित्य के प्रति रुचि स्वाभाविक ही था। मसलन बचपन में ही उन्होंने रचनाओं के रूप में लेखन कार्य शुरू कर दिया था। हालांकि वास्तविक रूप से उनका लेखन कार्य कालेज की शिक्षा के दौरान साल 1972 से शुरू हुआ और कालेज की मैगज़ीन में उनकी कविता छपी, जबकि भोपाल से प्रकाशित एक अखबार में 20 जनवरी 1984 को गणतंत्र दिवस परिशिष्ट में उनकी कविता छपी तो उनका आत्मविश्वास बढ़ना स्वाभाविक था, लेकिन नवंबर 1978 में विवाह के बाद परिवार की जिम्मेदारी सर्वोपरि रही और लेखन नगण्य सा हो गया। बाद में पति व बच्चों के प्रोत्साहित करने पर फिर लेखन कार्य ही शुरु नहीं किया, बल्कि कुछ सामाजिक संस्थाओं से भी जुड़ गई।

राजश्री गौड़ का आधुनिक युग में हिन्दी साहित्य के महत्त्व और उपयोगिता को लेकर कहना है कि आरंभ में जहां पद्यात्मक शैली में साहित्य की रचनाएँ की गई, जिसके बाद बदलते समय-काल के अनुसार काव्य, गद्य में कहानी, एकांकी, लेख, उपन्यास लघुकथा और राष्ट्रवादी रचनाओं में राजनीतिक प्रभाव नजर आने लगा है। इसके बावजूद आज भी स्वस्थ साहित्य का विशेष स्थान है और रहेगा। इसका कारण है कि साहित्य की महत्ता को नकारा नहीं जा सकता, क्योंकि साहित्य समाज का दर्पण और पथ-प्रदर्शक भी है। बेशक आज साहित्यिक पुस्तकें कम पढ़ी जाती हैं, लेकिन पाठक कम नहीं हैं। इस इंटनेट और सोशल मीडिया के युग में अपनी पसंद से पाठक ऑनलाइन साहित्य पढ़ते हैं, जो सामाजिक दृष्टि से सकरात्मक पहलु है। यह भी सच है कि सोशल साइट्स पर साहित्य के अलावा देश दुनिया की बहुत सारी चीजें, मिल जाती हैं। इस आधुनिकीकरण की दौड़ में संस्कृति और संस्कारों में कमी होती नजर आ रही है। इसलिए आज की युवा पीढ़ी को साहित्य के प्रति स्कूल व कालेज स्तर पर भी प्रेरित करने की ज्यादा जरूरत है।

प्रकाशित पुस्तकें

महिला साहित्यकार राजश्री गौड़ की प्रकाशित 15 पुस्तकों में 12 साझा संग्रह और 3 एकल काव्य-संग्रह शामिल हैं। उनके काव्य संग्रह में 'धनक', ग़ज़ल-संग्रह 'तुमको भुलाया कहाँ है' और 'मत कहो जिन्दगी थमी है' शामिल है। हरियाणा साहित्य अकादमी द्वारा प्रकाशन हेतू पांडुलिपि तैयार है। इसके अलावा उन्होंने कोरोना काल में ई काव्य संकलन भी लिखा, वहीं ई-लघुकथा संकलन में हरियाणा के प्रमुख लघुकथा कार भी शामिल है। इसके अलावा उनकी पुस्तकों की लेखन विधा में कविता, ग़ज़ल, लेख, व्यंग्य लेख, लघुकथा, कहानी, बाल कविताएं भी शामिल हैं। कविता-कोश, साहित्य-पीडिया, क़ागज-दिल.कॉम पर भी उनकी रचनाएं उपलब्ध हैं।

राजश्री गौड़

पुरस्कार व सम्मान

राजश्री गौड़ को हिन्दी प्रचार प्रसार साहित्य अकादमी, भोपाल द्वारा तीन बार सम्मानित किया जा चुका है। प्रमुख रूप से उन्हें नारी गौरव सम्मान, श्रेष्ठ हिन्दी रचनाकार सम्मान, प्रेम-काव्य सम्मान, भारत के प्रतिभाशाली रचनाकार सम्मान, साहित्य-शिरोमणि सम्मान, सिद्धि साहित्य सम्मान, जैमिनी अकादमी सम्मान, भारत गौरव सम्मान के अलावा अंतरराष्ट्रीय ब्राह्मण मंच, जिया साहित्य मंच बैंगलोर, हिन्दी प्रचार प्रसार साहित्य अकादमी भोपाल, कागज-दिल साहित्य संस्था और जैमिनी साहित्य अकादमी पानीपत आदि साहित्यिक मंचों से पुरस्कार के साथ सम्मानित किया जा चुका है।

व्यक्तिगत परिचय

नाम: राजश्री गौड़
जन्मतिथि: 24 नवम्बर, 1956
जन्म स्थान: हथीन, जिला पलवल(हरियाणा)
शिक्षा: बीए, बीएड (हिंदू गर्ल्स कॉलेज सोनीपत)
सम्प्रति: समाज सेवा, स्वतंत्र लेखन
संपर्क: सेक्टर-15, सोनीपत हरियाणा।

साहित्य एवं साहित्यकारों से रूबरू कराती पुस्तक

पुस्तक : सामान्य ज्ञान (हरियाणा का साहित्य)
लेखक: रोहित यादव
मूल्य : 300 रुपये
प्रकाशक : अनिल प्रकाशन

पुस्तक समीक्षा | शशि कांत चौहान

जिस तरह से अध्यापक बच्चों को पढ़ाकर शिक्षा की लौ जगाता है और देश का भविष्य गढ़ता है, उसी तरह से साहित्यकार भी अपना दायित्व निभाता है। साहित्यकार अपनी रचनाओं से समान को नई दिशा देता है। साहित्यकार अपनी रचनाओं से नई सोच का भी सृजन करता करता है।

समाज के प्रति अपनी यह जिम्मेदारी रोहित यादव ने बखूबी निभाई है। यूं तो उन्हें साहित्य की हर विधा में महारत हासिल है। रोहित यादव की हिन्दी साहित्य की विभिन्न विधाओं में अब तक पाँच दर्जन पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैंदोहा, कुंडली, कविता, कहानी और लघुकथा समेत हर विधा में अपनी लेखनी से साहित्य को समृद्ध किया है, लेकिन यह पुस्तक अपने आप में नया प्रयोग है।

रोहित यादव की पुस्तक सामान्य ज्ञान (हरियाणा साहित्य) प्रदेश के साहित्य और साहित्यकारों से रूबरू करवाती है। यह वास्तव में अनुपम कृति है। पुस्तक को प्रश्नोत्तर की शैली में तैयार किया गया है। इसमें लगभग साढ़े 800 प्रश्नों के उत्तर दिए गए हैं। साहित्य में रुचि रखने वाले लोगों के लिए उनकी हर जिज्ञासा को शांत करती नजर आती है यह पुस्तक।

रोहित यादव का प्रशोत्तर के रूप में पुस्तक को प्रकाशित करने का विचार भी अलग है। इतना ही नहीं लोक साहित्य और साहित्यकारों का उल्लेख ही नहीं किया है बल्कि उनकी कृतियों से भी परिचित करवाया है जो पुस्तक को और विशेष बनाता है। जैसा कि स्वयं लेखक ने भी अपनी पुस्तक में उल्लेख किया है। हरियाणवी प्रादेशिक साहित्य एवं साहित्यकारों का राष्ट्रीय स्तर पर प्रचार-प्रसार करना, वर्तमान युवा पीढ़ी को इस स्पृहणीय स्थिति से अवगत कराना, शोध एवं समीक्षा के क्षेत्र हेतु आधार सामग्री उपलब्ध कराना, प्रतियोगी परीक्षार्थ रोचक, दुर्लभ व मौलिक साहित्यिक जानकारी प्रदान करना उपन्यस्त संकलन का ध्येय है।

यह कृति केवल युवा विद्यार्थियों और शोधार्थी छात्रों के लिए ही नहीं वरन कुछ साहित्यकारों के लिए भी उपयोगी साबित होगी जो कुछ तथ्यों को कदाचित भूल गए होंगे। उन्हें लेखक ने पुस्तक में प्रकाशित करके फिर से उनकी स्मृति पटल पर ला दिया है।

पुस्तक की भाषा शैली चिर परिचित अंदाज में सहज एवं सरल है। महत्वपूर्ण सामग्री के चलते पुस्तक संग्रहणीय बन पड़ी है।

खबर संक्षेप

सामूहिक संगीतमय सुंदरकांड पाठ करवाया

चरखी दादरी। अग्रसेन धर्मशाला में 29 जून शनिवार दोपहर 2:15 से शाम 7:30 बजे तक सामूहिक, संगीतमय सुंदरकांड पाठ एवं दायित्व ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया। अतिथि सत्कार में छोटी बच्चियों तन्वी एवं अंशिका ने मुख्य द्वार पर पुरुष एवं महिला सदस्यों को तिलक लगाकर स्वागत किया एवं मातृ शक्ति शाखा महिला सहसंयोजिका रेखा गोयल एवं सरोज गर्ग ने कार्यक्रम की अगुवाई की। श्रीगणेश पूजन एवं पूजा वंदना के साथ सर्वप्रथम माधव शाखा से राहुल शास्त्री द्वारा समस्त कार्यकारिणी को सुंदरकांड पाठ का संकल्प करवाया।

श्रीमद्भागवत कथा और श्रीराम कथा का आयोजन

भिवानी। श्रीमद्भागवत कथा और श्रीराम कथा मानव कल्याण के साथ हमें सत्य के मार्ग पर चलने की सीख देती हैं। मनुष्य को सही रास्ते पर चलने के लिए दोनों कथाओं का समय. समय पर अनुसरण करते रहना चाहिए। भागवत कथा का दर्शन हर किसी को प्राप्त नहीं होता है। रामगंज मोहल्ले में श्रीमद्भागवत कथा और श्रीराम कथा का आयोजन किया गया। इस मौके पर शहर में कलश यात्रा भी निकाली गई। कथा में साध्वी निष्ठां नंद सरस्वती ने कहा श्रीकृष्ण की रासलीला के दर्शन करने के लिए हमारे यहां भागवत रूपी रास चलता है,परंतु मनुष्य दर्शन करने को नहीं आते। वास्तव में भगवान की कथा के दर्शन हर किसी को प्राप्त नहीं होते। कलियुग में भागवत साक्षात श्रीहरि का रूप है। पावन हृदय से इसका स्मरण मात्र करने पर करोड़ों पुण्यों का फल प्राप्त हो जाता है।

बाबा की तपस्या पूर्ण होने पर हुआ हवन व भंडारा

भिवानी। पालुवास के बाबा धुणीवाला डेरा में मानव कल्याण के लिए बाबा सूर्यनारायण नाथ ने 21 मई से 41 दिवसीय 9 धुनी तपस्या पूर्ण होने के उपलक्ष्य में हवन व प्रसाद वितरण समारोह किया। वरिष्ठ कांग्रेसी नेता नरेश तंवर जीएम ने बताया कि बाबा सूर्यनारायण नाथ हर वर्ष की भांति ज्येष्ठ माह में 41 दिन की अग्नि तपस्या करते हैं, जो नौ धुनों में अग्नि प्रज्वलित करके भगवान सूर्य की तरफ मुख करके मानव कल्याण,सुख समृद्धि और इलाके की उन्नति के लिए तपस्या पूर्ण की। बैंक के पूर्व महाप्रबंधक नरेश तंवर ने बताया कि नाथ पंथ में हठ योग के माध्यम से भगवान से मानव कल्याण की प्रार्थना की जाती हैं।

प्रकृति के दोहन का खामियाजा जीव-जंतुओं को भी उठाना पड़ रहा : बाबा

श्यामजी बगीची में बरगद के 101 पौधों का किया रोपण

ग्रामीणों ने ली रोपित पौधों के पेड़ बनने तक संरक्षण करने की जिम्मेदारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

समाज के बड़े-बुजुर्गो ने हमेशा युवा पीढ़ी का सही मार्गदर्शन कर उन्हें समाजहित में कार्य करते रहने को प्रेरित किया है। युवा पीढ़ी को समाज व राष्ट्रहित में कार्य करने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से त्रिवेणी बाबा की माता सारा देवी ने अपने 93वें जन्मदिन को पर्यावरण की दिशा में समर्पित कर परिजनों से पौधरोपण करने की इच्छा जाहिर की। बाबा के सान्निध्य में रविवार को गांव झुप्पा कलां स्थित श्यामजी की बगीची में बरगद के 101 पौधें रोपित किए। इस पौधरोपण अभियान की खास बात रही कि न केवल गांव के युवा, बुजुर्ग व महिलाएं, बल्कि आसपास के गांव गिगनाऊ, बारवास, झुंपाखुर्द, सिघानी,गोठड़ा, कैरू व भिवानी से पर्यावरण प्रेमी पहुंचे तथा पौधरोपण किया। उन्होंने पोधों के संरक्षण की जिम्मेवारी भी स्वयं उठाई। युवा नमन शर्मा ने रविवार को रोपित 101 पौधों में 5 पौधों को गोद लिया तथा उनके पेड़ बनने तक देखभाल करने का जिम्मा उठाया। ग्रामीणों ने रोपित पौधों की देखभाल व भविष्य में भी इस दिशा में कार्य करने का संकल्प लिया। पर्यावरण प्रेमियों का सेवानिवृत्त अधीक्षक दर्शनानंद नेहरा ने स्वागत किया। त्रिवेणी

भिवानी। बरगद के पेड़ लगाते पर्यावरण प्रेमी। *फोटो : हरिभूमि*

जीवन में सफाई का बहुत महत्वः चावला

भिवानी। स्वच्छता व पर्यावरण को लेकर श्याम बाग सुधार सभा द्वारा महिने के अंतिम रविवार को चलाए जा रहे जागरूकता व सफाई अभियान के तहत पांचवां चरण पूरा हुआ। अभियान में सभा के सदस्यों ने बढ़चढ़ कर भाग लिया। अभियान के दौरान उपस्थित सदस्यों ने युवाओं से आहवान करते हुए कहा कि हमें इस प्रकार के कार्यक्रमों में बढ़चढ़ कर भाग लेना चाहिए। सभा के प्रधान राधा कृष्ण चावला ने कहा कि हमारे जीवन में सफाई का बहुत बड़ा महत्व है, जिस प्रकार शरीर की सफाई नियमित रूप से करते रहना आवश्यक है।

धरती को बचाने के लिए पेड़-पौधें लगाना जरूरी

भिवानी। पेड़ लगाओ पर्यावरण बचाओ अभियान के तहत प्रभात मंडल चरखी दादरी के पदाधिकारियों ने रविवार को दादरी रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नम्बर एक पर पौधरोपण किया और यात्रियों से भी पर्यावरण संरक्षण में योगदान की अपील की। पौध रोपित कार्यक्रम प्रभात मंडल के प्रधान सुरेश ऐरन की देख-रेख में किया तथा पौधरोपण करने वाले लोगों ने पौधें के फल-फूल ने प्रतिदिन उसकी देखभाल का जिम्मा लिया। प्रधान सुरेश ऐरण ने कहा कि पौधें न केवल वातावरण को स्वच्छ बनाते हैं, बल्कि जीवन के लिए अति आवश्यक वायु भी इनसे ही प्राप्त होती है। अतः सभी लोग अपने आस-पास की खाली जगह पर ज्यादा से ज्यादा पेड़-पौधे लगाएं और वातावरण स्वच्छ बनाने में सहयोग करें। इस अवसर पर महासचिव अंकित गुप्ता, सदस्य श्याम सुंदर, कृष्ण कुमार, जयभगवान, कृष्ण हड़ौदिया, कैलाश रिटोलिया, ओमप्रकाश, बजरंग, अनिल, मास्टर रामबिलास शर्मा, मदनमोहन, गौरव, अमन गोयल आदि मौजूद रहे।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर पर्यावरण प्रहरी हवलदार लोकराम नेहरा, चंद्रमोहन, अशोक, पूर्व बीडीसी ईश्वर सिंह, मीरसिंह नंबरदार,धर्मसिंह,अधिवक्ता करण सिंह नेहरा, लालकपुर दहिया, कुलदीप श्योराण, संजय सरपंच, प्रवक्ता विकास शाहपुर, अनिता, सुनीता, कलावंती, संतोष, किताबो आदि मौजूद रहे।

ध्यान को बनाएं जीवन का हिस्सा : अनिल

भिवानी। ढाणा रोड डिस्पोजल पर नवदुर्गा सेवा सहयोग संस्था व जनस्वास्थ्य विभाग द्वारा एक जून से चल रहे निःशुल्क योग शिविर में ध्यान गुरू स्वामी अनिल राज ने ध्यान मेडिटेशन करवाया। उन्होंने कहा कि वर्तमान जीवन में सभी साधन बढ़े है, लेकिन आनंद घटा है। ऐसी दशा में तनाव मुक्त जीवन जीने के लिए ध्यान अति महत्वपूर्ण है। हमारा मस्तिष्क ठीक होगा तभी हमारा शरीर स्वस्थ रहे, इसीलिए मानसिक स्वास्थ्य को स्वस्थ जीवन जीने के लिए ध्यान को अपने जीवन का आवश्यक अंग बनाना चाहिए। उन्होंने योग साधकों को श्वास पर ध्यान केंद्रित करना ध्यान की एक सामान्य विधि बताई। जिससे मन की स्थिरता बढ़ती है। ध्यान का मुख्य उद्देश्य मन को एकग्र करना है। ऐसे में प्रत्येक व्यक्ति को रोजाना ध्यान करना चाहिए। इस अवसर पर नवदुर्गा सेवा सहयोग संस्था द्वारा महात्मा ज्योतिबा फूले का चित्र स्मृति चिह्न के रूप में ध्यान गुरू स्वामी अनिल राज को भेंट की। इस अवसर पर योगाचार्य बिजेश जावला, अश्विनी संभ्रवाल असिस्टेंट प्रोफेसर, प्रोफेसर सुरेश धानिया, विनोद पार्षद, विजय ढिगवाल, हरिओम आदि मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री मोदी के मन की बात कार्यक्रम सुना

चरखी दादरी। भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ. किरण कलकल ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की मन की बात कार्यक्रम ने भारत का भारत से परिचय करवाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। मन की बात कार्यक्रम का उद्देश्य अच्छे कार्यों की सराहना कर अन्य लोगों को उनसे प्रेरणा लेने के लिए प्रेरित करना है। अध्यक्ष रविवार को गांव इमलोटा के बूथ नंबर 226 पर प्रधानमंत्री मोदी के मन की बात कार्यक्रम को सुन रही थी। उनके साथ अनेक कार्यकर्ता व नागरिक मौजूद रहे। सभी ने ध्यानपूर्वक प्रधानमंत्री मोदी के मन की बात कार्यक्रम को सुना। डॉ. किरण ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने मन की बात कार्यक्रम के जरिए लोगों का भरोसा जीता है। भरोसा एक ऐसी चीज है, जो अपने आप नहीं आती, इसे कमाना पड़ता है और पीएम मोदी ने लोगों को ये भरोसा कमाया है। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आमजन को समाज व राष्ट्र सेवा के लिए तैयार करना है। इस अवसर पर अमरजीत,, राकेश, हिमांशु, सुखबीर, प्रवीण, सुनील आदि मौजूद रहे।

महंगाई-बेरोजगारी की मार से भवन निर्माण कारीगर मजदूर परेशान

- सम्मेलन में यूनियन की 21 सदस्यीय जिला कमेटी गठित की, धर्मबीर सिंह को प्रधान की जिम्मेदारी सौंपी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भवन निर्माण कारीगर मजदूर यूनियन संबंधित एआईयूटीयूसी का प्रतिनिधि सम्मेलन प्रजापति धर्मशाला स्थित यूनियन कार्यालय में संपन्न हुआ। सम्मेलन की अध्यक्षता जिला प्रधान वजीर सिंह ने की। केन्द्रीय ट्रेड यूनियन एआईयूटीयूसी के राज्य कमेटी सदस्य रामफल मुख्य वक्ता थे। संचालन यूनियन के धर्मवीर सिंह ने किया।

सम्मेलन में यूनियन की 21 सदस्यीय जिला कमेटी गठित की, जिसके प्रधान धर्मवीर सिंह, सचिव कामरेड राजकुमार बासिया, उपप्रधान मनीराम, सहसचिव सुशील और कोषाध्यक्ष वजीरचंद चुने गए। मुख्य वक्ता रामफल ने कहा कि भवन निर्माण श्रमिकों के जीवन में समस्याओं के बढ़ने से उनकी दशा बड़ी दयनीय है, वे महंगाई-बेरोजगारी की मार से परेशान हैं। दिन-ब-दिन उनका जीना दूभर होता जा रहा है। ज्यादातर भवन निर्माण कारीगर-मजदूरों को सरकार की ओर से समुचित आर्थिक सहायता, सुविधाएं, हितलाभ और मान-सम्मान नहीं मिल रहा है। वहीं ऑनलाइन पंजीकरण का आवेदन अनपढ़ गरीब मजदूरों के लिए जी का जंजाल बन गया है और वे हितलाभ पाने से वंचित रखे जा रहे हैं। उन्होंने भवन निर्माण श्रमिकों को राहत प्रदान करने के लिए उनकी मांगों पर सकारात्मक कार्रवाई करने की मांग की।

14 को होने वाली पंचायत का दिया न्योता

- विभिन्न सामाजिक संगठनों की सर्वजातीय महापंचायत 14 जुलाई को : कमल प्रधान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तोशाम

14 जुलाई को गांव देवराला कम्युनिटी सेंटर में किसान, मजदूर, कर्मचारी,खिलाड़ियों और विभिन्न संगठनों की सर्वजातीय महापंचायत ऐतिहासिक होगी। यह जानकारी युवा कल्याण संगठन के संरक्षक कमल सिंह प्रधान ने रविवार को चौधरी रघुवीर सिंह फार्म हाउस तोशाम में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए दी।

उन्होंने कहा कि आज किसान मजदूर और 36 बिरादरी को एकजुट होकर तानाशाह सरकार के खिलाफ संघर्ष करना होगा। उनका कहना था कि पिछले कई सालों से दो बड़े राजघराने आपस में मिलकर राजनीति कर रहे थे जो प्रजातंत्र के लिए घातक है। उन्होंने बताया कि इस पंचायत में सभी वर्गों के लोग इकट्ठा होंगे जो इंडिया गठबंधन से अपील करेंगे की जो व्यक्ति हमेशा किसान, मजदूर, खिलाड़ी,दलित वर्ग के लोगों के साथ उनके हकों की लड़ाई लड़ते रहे ऐसे व्यक्ति को इंडिया गठबंधन को आगे लेना चाहिए और भविष्य में होने वाले विधानसभा चुनाव में उसको प्रतिनिधित्व देना चाहिए। क्योंकि किसानए मजदूर और खिलाड़ियों व नौजवानों ने भाजपा सरकार के खिलाफ लोकसभा चुनाव में डटकर मतदान किया और इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार के पक्ष में मतदान किया। इसलिए पैराशूट का उम्मीदवार और जो जनता के बीच में नहीं रहता उनको उनकी उम्मीदवारी स्वीकार्य नहीं है। इस अवसर पर ओमप्रकाश जोगी मढ़ान, जसवंत छिप्पी, बलबीर यादव दांग खुर्द, गुलाब बीडीसी मेंबर, अनिल शेषमां,रामचंद्र श्योराण भेरा, वीर सिंह दूल्हेडी,मिंटू प्रजापत चंदवास, बलबीर बाजाड़, सुभाष यादव,अमित अत्री, मुकेश शर्मा ढाणीमाहू, ललित सिंगला, दीपक बंसल,सुमेर नाई सरल, अशोक कासनियां, बिजेंद्र पोटलियां, दिनेश, सचिन धरवानबास, हरदीप टाला ,विजेंद्र रिवासा, पवन नीमडीवाली, राजकुमार,राहुल आदि अनेकों युवा कल्याण संगठन के पदाधिकारी उपस्थित रहे सभी ने एक एकमत होकर कहा की 14 जुलाई को देवराला में ज्यादा से ज्यादा संख्या में पहुंचे और इसके लिए गांव.गांव में प्रचार प्रसार किया जाएगा।

तोशाम। आयोजित बैठक को संबोधित करते कमल प्रधान। *फोटो : हरिभूमि*

जनसंवाद कार्यक्रम की तैयारियों पर की चर्चा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बाढ़ड़ा

बाढ़ड़ा में रविवार को आम आदमी पार्टी कार्यालय पर जिला सचिव राकेश चांदवास की अगुवाई में बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें पार्टी द्वारा चलाए जाने वाले बदलाव जन संवाद कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर मंथन किया और कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई।

जिला सचिव राकेश चांदवास ने कहा कि 1 से 11 जुलाई तक बाढ़ड़ा विधासभा क्षेत्र के गांवों में कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिसके लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है। बैठक के बारे में जानकारी देते हुए जिला सचिव राकेश चांदवास ने बताया कि बैठक में ग्राम सचिवए सर्किल अध्यक्षए ब्लॉक अध्यक्ष सहित तमाम पदाधिकारी उपस्थित रहे। विधानसभा चुनाव की तैयारी को लेकर आयोजित मीटिंग में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए राकेश चांदवास ने कहा है कि सभी पदाधिकारी कार्य करता एकजुट होकर कार्य करें। बैठक के दौरान कार्यकारी ब्लॉक अध्यक्ष प्रदीप दलाल ,दर्शन सेठ , इंद्र सिंह सागवान, जयवीर शर्मा, संजय गिल, राज सिंह, अशोक शर्मा, विनेश चिड़िया आदि मौजूद रहे।

फौगाट खाप के प्रधान 8 को ज्वाइन करेंगे कांग्रेस

- चुनाव तक खाप की किसी भी बैठक में नहीं लेंगे हिस्सा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चरखी दादरी

फौगाट खाप के प्रधान बलवंत नंबरदार अब राजनीति में एंट्री करेंगे। खाप प्रतिनिधियों ने बलवंत नंबरदार को विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए मैदान में उतार दिया, जो 8 जुलाई को दादरी रैली में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा की मौजूदगी में कांग्रेस में शामिल होंगे और विधानसभा चुनाव में टिकट की मांग करेंगे।

पंचायत में खाप के उपप्रधान धर्मपाल महाराणा को कार्यकारी प्रधान नियुक्त किया है। रविवार को बाबा स्वामी दयाल मंदिर परिसर में हुई जिले की खाप प्रतिनिधियों की बैठक हुई। जिसमें कई अहम मुद्दों पर चर्चा की गई। बैठक में निर्णय लिया कि सामाजिक व किसानो के मुद्दे उठाने के लिए खाप प्रतिनिधि का विधानसभा में होना जरूरी है। अब तक सरकारों ने किसानों, गरीबों व खिलाड़ियों की मांगों को कभी भी गंभीरता से नहीं लिया। सड़कों पर हुए आंदोलन का असर भी सरकार में बैठे नेताओं पर नहीं पड़ता। वक्ताओं ने कहा कि पिछले 10 साल के राजनीतिक हालातों से साफ हुआ है की किसानों की आवाज उठाने वाला कोई नहीं है। पंचायत ने निर्णय लिया विस चुनाव में ऐसे व्यक्तित्व को विस में भेजा जाए, जो आवाज को बुलंद कर सके। खाप प्रतिनिधियों को प्रधान बलवंत नंबरदार को चुनाव लड़ाने पर सहमति बनी।

चरखी दादरी। खाप पंचायत में विचार रखते वक्ता। *फोटो : हरिभूमि*

टिकट की करेंगे मांग

खाप कांग्रेस पार्टी से टिकट की मांग करेगी। खाप सचिव सुरेश फौगाट ने बताया कि प्रधान 3 महीनों तक खाप की किसी भी बैठक व पंचायत में हिस्सा नहीं लेंगे। चुनाव तक खाप के संचालन के लिए धर्मपाल महाराणा को कार्यकारी प्रधान नियुक्त किया गया है।

खेतों में मिला शव, शरीर का आधा हिस्सा कुत्तों ने खाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चरखीदादरी

दादरी जिले के गांव कलियाणा के क्रेशर जोन के समीप खेतों में व्यक्ति का शव मिला। शव का ऊपरी हिस्सा कुत्तों द्वारा खाया हुआ है। प्राथमिक जांच में सामने आया है कि शव करीब पांच दिन पुराना है। सूचना के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और सामान्य अस्पताल पहुंचाया।

रविवार को दिन में कलियाणा गांव के एक ग्रामीण ने खेतों में पेड़ के नीचे शव पड़ा हुआ देखा। उसने इसकी जानकारी सरपंच व ग्रामीणों को दी। शव मिलने की सूचना के बाद सैंकड़ों ग्रामीण खेतों में पहुंच गए, लेकिन काफी प्रयास के बाद भी सिनाख्त नहीं हुई। ग्रामीणों ने शव मिलने की सूचना पुलिस को दी। डीएसपी भारत भूषण के नेतृत्व में पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लिया। पुलिस जांच अधिकारी ने बताया कि शव का ऊपरी हिस्सा कुत्तों या अन्य जंगली जानवरों ने खा लिया।

लोगों ने सुनीं पीएम के मन की बात

- भाजपा नेता अनिल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मन की बात कार्यक्रम जन .जन की बात बन गई है

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तोशाम

तोशाम के पंचायत भवन में रविवार को भाजपा नेता एवं प्रसिद्ध समाजसेवी अनिल शर्मा के नेतृत्व में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात के 111वें संस्करण कार्यक्रम में अनेक लोगों ने भाग लिया। इस दौरान उपस्थित लोगों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मन की बात कार्यक्रम के माध्यम से उनके विचार सुने। इस दौरान भाजपा नेता अनिल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मन की बात कार्यक्रम जन.जन की बात बन गई है। उनका कहना था की मन की बात कार्यक्रम सदैव ही हमें राष्ट्र निर्माण में सकारात्मक सोच के साथ स्वयं की भागीदारी के लिए प्रेरित करता है। उनका कहना था कि हमें मन की बात कार्यक्रम को देखने के पश्चात जागरूक होना चाहिए और इस कार्यक्रम के दौरान बताए गए विचारों को ग्रहण करके उन पर अवश्य ही अमल करना चाहिए। जिससे कि सशक्त राष्ट्र का निर्माण हो और हमारा देश तरक्की तथा खुशहाली की तरफ बढे। इस अवसर पर तोशाम के सरपंच राजेश तंवर, भगवान परशुराम जनसेवा समिति के अध्यक्ष सुनील शर्मा, भारत विकास परिषद तोशाम इकाई के अध्यक्ष संजय गुप्ता, पूर्व सरपंच नानक चंद, सुनील चौहान, शुभम शर्मा, हरियाणा मजदूर संघ की प्रदेश इकाई के विभिन्न पदाधिकारी मौजूद रहे।

21 साल सरकारी सेवारत राकेश ने देश का पहला पर्वतारोही होने का हासिल किया गौरव

जेल प्रशासन ने एवरेस्टर कादियान को किया सम्मानित

- पर्वतारोही 40 स्वर्ण व 37 रजत पदक के साथ प्रदेश का नाम कर चुके रोशन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

मिशन सेवन समिट के तहत गत 23 मई को पुलिस विभाग के कर्मचारी एवरेस्टर राकेश कादियान ने विश्व की पहली सबसे ऊंची पर्वत चोटी माउंट एवरेस्ट (8848 मीटर) और 25 मई 2024 को विश्व की चौथी ऊंची चोटी माउंट ल्होत्से (8516 मीटर) पर भारत देश का झंडा फहराकर जेल विभाग हरियाणा का नाम पूरे विश्व में एक बार फिर रोशन कर देश का पहला पर्वतारोही होने का गौरव अपने नाम किया है। 45 वर्ष की उम्र पूर्ण करने के बाद और लगातार 21 वर्ष सरकारी सेवारत रहते हुए कादियान ने ये उपलब्धि हासिल करने वाले देश का पहला पर्वतारोही होने का गौरव जेल विभाग हरियाणा का नाम रोशन किया। राकेश ने बताया कि वह अब एक साल के अंदर विश्व के सभी सात महाद्वीपों की ऊंची चोटियों पर भारत देश का झंडा फहराकर देश का पहला पर्वतारोही बनकर जेल विभाग हरियाणा का नाम रोशन करने की तैयारी कर रहा है। इससे पहले भी राकेश अफ्रीका महाद्वीप की सबसे ऊंची चोटी किलिमंजारो पर केवल 15 घण्टे ओर 53 मिनट में तिरंगा फहराने पर 42 वर्ष की उम्र में भारत देश का प्रथम पर्वतारोही होने का गौरव अपने नाम कर चुका है। उन्होंने भारत देश की ऊंची चोटी मांउट सतोपंथ 7100 मीटर, माउंट नून 7135 मीटर, कांग यात्से-1 को जो 6400 मीटर ऊंची है पर तिरंगा फहराया है।

भिवानी। जेल विभाग के कर्मचारी एवरेस्टर राकेश कादियान को सम्मानित करते जेल प्रशासन। फोटो : हरिभूमि

कादियान ने 77 पदक जीते

कादियान जेल विभाग हरियाणा का प्रथम अंतरराष्ट्रीय पर्वतारोही होने का गौरव भी अपने नाम कर चुका है। कादियान राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर मास्टर एथलेटिक्स में अब तक 40 स्वर्ण तथा 37 रजत पदक जीतकर हरियाणा प्रदेश का नाम भी भारत वर्ष में रोशन कर चुका है। भिवानी जेल अधीक्षक सुरेन्द दलाल ने बताया कि कादियान की उपलब्धि से पूरा जेल स्टाफ में बहुत खुशी है। भिवानी जेल में पहुंचने पर राकेश का भव्य स्वागत किया।

खबर संक्षेप

व्यवस्था को पटरी पर लाने में जुटे कर्मचारी

बवानीखेड़ा। पिछले काफी समय से कस्बा में पीने के पानी की व्यवस्था बिगड़ी हुई है जिसको लेकर कर्मचारी भी दिन-रात एक करके व्यवस्था सुधारने का प्रयास कर रहे हैं। वहीं नपा पार्षदों ने भी इस दर्द को समझते हुए सुंदर नहर तक का मुआयना किया। वहीं जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग के कनिष्ठ अभियंता सचिन कौशिक भी टीम सहित पूरा मोर्चा संभालकर पानी की पूर्ति करवाने में जुटे हैं। जेई की मानें तो विभाग ने स्वयं के ट्यूबवेलों व बाहर से भी ट्यूबवेलों की व्यवस्था करके टैंकों में पानी डालने का कार्य किया जा रहा है।

शिविर में पौने छह सौ लोगों का स्वास्थ्य जांचा

चरखी दादरी। राजकीय उच्च विद्यालय, मैहड़ा में निःशुल्क जांच नेत्र जांच शिविर एवं ऑपरेशन शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बतौर मुख्य अतिथि हरियाणा माइनिंग क्रेशर एसोसिएशन के प्रधान सोमवीर घसौला सुरमवीर ने शिरकत करते हुए शिविर का शुभारंभ रिबन काटकर किया। शिविर में आसपास के सैकड़ों मरीजों ने आंख से संबंधित आँख का लाल होना, आंख से पानी गिरना, आंखों से कम दिखाई देना, मोतियाबिंद, काला मोतियाबिंद आदि सभी रोग सहित चश्मों की भी जांच करवाई। शिविर में 576 ओपीडी की गई तथा आंखों के ऑप्रेशन के लिए 67 मरीजों को चयनित किया तथा मौके पर जरूरत अनुसार निशुल्क चश्मे वितरित किए गए।

प्रशिक्षण से ग्रामीण हुनर को मिलेगा बढ़ावा:चंद्रभान

लोहारू। हस्तशिल्प वस्त्र मंत्रालय भारत सरकार के सहयोग से जीवी संस्था द्वारा रग्सए कारपेट, दरी व कालीन बनाने के प्रशिक्षण के लिए उपमंडल के गांव सोहांसड़ा में हस्तशिल्प पहचान पत्र व पंजीकरण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में जीवी संस्था के निदेशक चंद्रभान शर्मा ने प्रशिक्षणार्थियों को विभिन्न जानकारियां प्रदान की। चंद्रभान शर्मा ने बताया कि जीवी संस्था को वस्त्र मंत्रालय भारत सरकार द्वारा सूचीबद्ध किया गया है तथा संस्था द्वारा ग्रामीण महिलाओं को विभिन्न संस्थानों द्वारा प्रशिक्षित कर आत्मनिर्भर बनाने के लिए कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि जल्दी ही ग्रामीण महिलाओं को रग्स, दरी, कालीन आदि का एक माह का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

योजना के लाभार्थियों को वितरित किए अनुदान प्रमाण पत्र

घर बैठे सरकार की योजनाओं का फायदा मिल रहा: वित्त मंत्री

वित्त मंत्री जने सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के तहत नई पेंशन स्कीम और डॉ. बीआर अंबेडकर आवास नवीनीकरण योजना के लाभार्थियों को संबोधित किया।

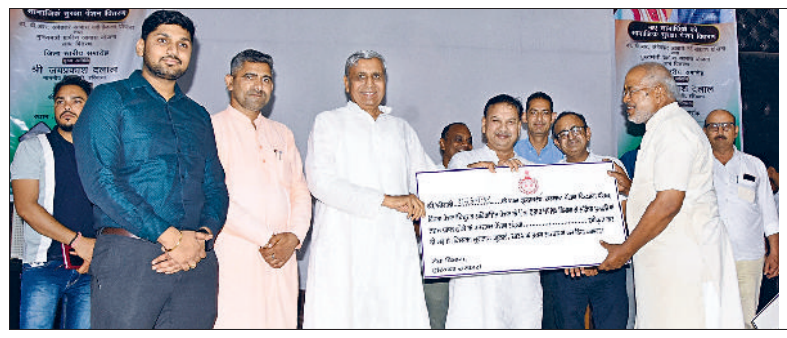

भिवानी। आयोजित कार्यक्रम में लाभार्थी को डॉक्यूमेंट देते हुए। फोटो: हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

प्रदेश के वित्त मंत्री जेपी दलाल ने कहा कि सरकार अंत्योदय परिवारों के कल्याण एवं खुशहाली के लिए वचनबद्ध है और आदर्श समाज स्थापित करने के लिए प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि ये गरीबों की सरकार है। नीति बनाकर गरीबों के हित में कार्य कर रही है। सरकार ने अपने कार्यकाल में अंत्योदय परिवारों को समाज की मुख्यधारा में लाने के लिए अनेक योजनाएं लागू की है। उन्होंने कहा कि गरीब परिवारों को पारदर्शिता से घर बैठे सरकार की योजनाओं का फायदा मिल रहा है। केंद्र सरकार से जो भी राशि मिलती है उसे डीबीटी के माध्यम से सीधा पात्र लाभार्थी के खाते में ट्रांसफर किया जाता है। विपक्ष ने कभी भी अंत्योदय परिवारों के लिए कोई कार्य नहीं किया है केवल भ्रम फैलाने का कार्य किया है। वित्त मंत्री जेपी दलाल रविवार को पंचायत भवन में नए लाभार्थियों को सामाजिक सुरक्षा पेंशन वितरण व डॉ. बीआर अंबेडकर आवास नवीनीकरण योजना तथा मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना के लाभार्थियों को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में भिवानी के विधायक घनश्याम सर्राफ की भी गरिमामयी उपस्थिति रही। इस दौरान मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में पानीपत में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम का सीधा प्रसारण भी दिखाया गया। वित्त मंत्री ने कहा कि सरकार ने भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाया है और गरीब अंत्योदय को रोजगार व स्वरोजगार ही दिया है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वे गरीब व अंत्योदय परिवारों के लिए बनाई गई योजनाओं का निर्धारित समय में लाभ देना सुनिश्चित करें। श्री जेपी दलाल ने कहा कि गरीब व अंत्योदय परिवारों को ध्यान में रखते हुए सरकार द्वारा हरियाणा अंत्योदय परिवार उत्थान योजना आरंभ की गई है। उन्होंने कहा कि सरकार ने गरीब परिवारों के युवाओं के योग्यता के आधार पर सरकारी नौकरियां दी गई है। हर क्षेत्र में जीरो टोलरेंस की नीति को कायम किया है। विपक्ष ने केवल गरीबों को भ्रमित किया है।

योजनाओं की दी जानकारी

विधायक घनश्याम सर्राफ ने कहा कि अंत्योदय परिवारों के लिए सरकार ने अनेक योजनाएं लागू की है। जिससे उन्हें सीधा फायदा मिल रहा है। गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले एवं पूर्व में 100. 100 वर्ग गज के प्लॉटों से वंचित रहे पात्र परिवारों को एक.एक लाख रुपए प्लॉट के लिए सहायता राशि प्रदान की गई। इसके अलावा भी केंद्र व प्रदेश सरकार दोबारा अनेक योजनाएं चलाई गई है जैसे प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, कृषि यंत्र सब्सिडी योजना, नेशनल पेंशन योजना, अटल पेंशन योजनाए प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना आदि से भी आमजन को लाभ दिया जा रहा है। जिला परिषद के सीईओ अश्वीर नैन ने अतिथियों का स्वागत करते हुए सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। इस अवसर पर अतिरिक्त उपायुक्त हर्षित कुमार, डीडीपीओ आशीष मान, बीडीपीओ सोमबीर कादयान, बीडीपीओ विनोद सांगवान, डीडब्ल्यूओ देवेन्द्र सिंह, टीडब्ल्यूओ राजकुमार व सुरेश कुमार, डीआईओ अमित लांबा, एसईपीओ दीपक शर्मा, उमराव श्योराण, सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

नांगल के समीप झुंपा डिस्ट्रीब्यूटरी टूटी

- करीब दस एकड़ से ज्यादा भूमि में लगी कपास, मूंग और अन्य फसलों में नुकसान

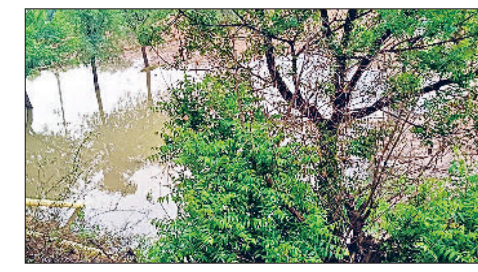

बहल। डिस्ट्रीब्यूटरी के टूटने के बाद खेतों में जमा पानी। फोटो: हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहल

नांगल गांव के समीप झुंपा डिस्ट्रीब्यूटरी की नहर पानी की अधिकता और उसके तेज वेग को नहीं झेल पाई। पानी ओवरफ्लो होने से नहर बुर्जी नंबर 117 के पास करीब पांच फीट लंबाई से ज्यादा तक टूट गई। नहर टूटने से नहर के साथ लगते खेतों में पानी भर गया और करीब दस एकड़ से ज्यादा भूमि में लगी कपास, मूंग व अन्य फसलें नष्ट हो गई। एक किसान के खेत में बना बोरिंग भी धंस गया।

नहर शुक्रवार की रात को करीब दो बजे के टूटी। नहर में पानी ओवरफ्लो होने से किसान पहले से ही इसको लेकर चिंतित थे। वे करीब 12 बजे तक वहीं थे। लेकिन, उनके घर जाने के बाद नहर टूट गई। किसानों का अनुमान है कि नहर शुक्रवार रात को करीब 2 बजे टूटी है। नहर से निकले पानी ने खेतों की और रूख किया और नांगल गांव के किसानों की करीब दस एकड़ से ज्यादा की भूमि जलमग्न हो गई। किसान सुमेर झाझड़िया के खेत में 20 कनाल में लगी कपास, पांच एकड़ में मूंग व बाजरा की फसल पानी में डूब गई। इसके अलावा किसान की करीब अढाई एकड़ की ड्रिप व एक बोरिंग मिट्टी में धंसकर खराब हो गए। नहर के साथ लगते किसान अमरसिंह, सुरेन्द्र, फूलसिंह, जगपाल, आजाद कौर, करण सिंह, गुणपाल व वेदपाल के खेतों में पानी भरने से फसलों में नुकसान हुआ है।

प्रशिक्षण शिविर में पूरे प्रदेश से 48 तो भिवानी से 4 प्रतिभागियों ने लिया हिस्सा

भिवानी। आपातकाल स्थिति में प्राथमिकता चिकित्सा के माध्यम से लोगों का जीवन बचाने के उद्देश्य से भारतीय रेडक्रॉस सोसयटी द्वारा समय-समय पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन कर नागरिकों विशेषकर युवाओं को प्राथमिक चिकित्सा की जानकारी दी जाती है। इसी कड़ी में राज्य रेडक्रॉस चंडीगढ़ शाखा द्वारा 25 से 28 जून तक उत्तराखंड के मंसूरी में प्राथमिक चिकित्सा व होम नर्सिंग का रिफ्रेशर कोर्स शिविर का आयोजन किया, जिसमें प्रदेशभर से 48 प्रतिभागियों ने भाग लिया तथा भिवानी जिले से 4 प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण शिविर में भागीदारी सुनिश्चित की। भिवानी रेडक्रॉस के सचिव प्रदीप कुमार ने प्रशिक्षण शिविर में सभी प्रतिभागियों को सड़क दुर्घटना में घायल होने, बिजली का करंट लगने, पानी में डूबने, हार्ट अटैक आने, किसी भी तरीके का दौरा पढ़ने, बेहोश होने, हड्डी टूटने का उपचार के बारे में लगातार हर रोज 12 से 15 घंटे प्रशिक्षण दिया। उन्होंने बताया कि 4 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के पहले दिन हरियाणा राज्य रेडक्रॉस चंडीगढ़ की वॉइस चेयरपर्सन डॉ. सुषमा ने द्वीप प्रज्वलित करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

वॉशरूम करने को लेकर झगड़ा, डंडे व राड़ से किया हमला

भिवानी। बीती रात नए बस अडडे के पास सड़क किनारे वॉशरूम कर रहे बवानीखेड़ा के दो युवकों के साथ बाइक सवार युवकों ने गाली गलौच की। विरोध किया तो डेढ दर्जन युवकों को बुलाकर डंडे व लौहे की रॉड से हमला कर दिया। पुलिस को दी शिकायत में बवानीखेड़ा निवासी कन्नव व अंकित गाड़ी लेकर नए बस स्टैंड पर जा रहे थे। रास्ते में उन्होंने गाड़ी रोकी और सड़क किनारे वॉशरूम करने लगे। इसी दौरान बाइक पर सवार होकर दो युवक आए। बाइक सवार युवक उनके साथ गालीगलौच करने लगे। उन्होंने विरोध किया तो आरोपी युवकों ने अन्य युवकों को बुला लिया और हमला कर दिया।

दादरी जिले के 1733 लोगों को मिला योजनाओं का फायदा

चरखी दादरी। मुख्यमंत्री नायब सिंह ने रविवार को पानीपत में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम से वेब कास्टिंग के जरिए प्रदेश के विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को संबोधित किया। इसके अलावा सीएम ने लाभार्थियों के साथ बातचीत की तथा योजनाओं के बारे में फीडबैक लिया। वहीं जनता कॉलेज के सभागार में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में उपायुक्त मनदीप कौर ने मुख्यतिथि के तौर पर शिरकत की। कार्यक्रम में नागरिकों को संबोधित करते हुए उपायुक्त ने कहा कि वृद्धावस्था सम्मान भत्ता, दिव्यांगजन पेंशन, विधवा पेंशन, विदुर और अविवाहित नागरिकों को वित्तीय सहायता की योजना से बहुत बड़े वर्ग को सामाजिक सुरक्षा मिली है। जिन लोगों को जमीन उपलब्ध नहीं होने के कारण मुख्यमंत्री आवास योजना का लाभ नहीं मिल पाया था, उन्हें आज आर्थिक सहायता देकर सरकार ने नई राह खोली है।

निशीकांत पारासर ने की अनूठी पहल

- स्वयं के खर्च पर जेसीबी से तीर्थ जोहड़, झील, शमशानघाट आदि स्थानों पर लगाएगा 1100 पौधे

बवानीखेड़ा। जेसीबी से पौधों की व्यवस्था करते हुए। फोटो: हरिभूमि

दीपक कुमार डुमड़ा ⏭ बवानीखेड़ा

कहते है गर नीयत साफ हो तो कुछ भी असंभव नहीं। कुछ ऐसी ही सामाजिक, धार्मिक सोच रखते हैं बवानी खेड़ा के समाजसेवी निशीकांत पारासर। बवानी खेड़ा में निशीकांत पारासर ने तीर्थ जोहड़, बाबा कमाल झील, शहीद गुलाबसिंह पार्क, शमशान घाटों का लक्ष्य बनाकर पौधे लगाने की योजना बनाई है। उन्होंने इस योजना को अमलीजामा पहनाना शुरू कर दिया है। रविवार से इसकी शुरुआत जेसीबी के साथ निजी खर्च से शुरू की। उनकी इस पहल से सभी उनकी पीठ थपथपा रहे हैं तो और उनकी भांति ऐसा कार्य करने की योजना बनाने में जुट गए हैं। उल्लेखनीय है इस बार गर्मी पूरे यौवन पर रही जिसने कूलर, एसी को भी पसीनें ला दिए। नतीजा साफ दिखाई दे रहा था कि लंबे समय के लिए कम समय में पहुंचने के लिए मागोंर् का निर्माण व एक दूसरे मार्ग को आपस में जोड़ना है। मार्ग निर्माण लाखों पेड़ों का एकदम से कटना और उनके स्थान पर पौधे न लगना प्रकृति के साथ इतना बड़ा खिलवाड़ प्रकृति कैसे सहती और पर्यावरण बदहाल होने के चलते सभी को इसका खामियाजा भुगतना पड़ा। भविष्य में ऐसा न हो इसलिए समाजसेवी निशीकांत पारासर ने स्वयं के निजी खर्च पर जेसीबी की व्यवस्था की और बताया कि तीर्थ जोहड़, बाबा कमाल झील, शहीद गुलाबसिंह पार्क, शमशान घाटों का लक्ष्य बनाकर पौधे लगाने की योजना बनाई है।

लाइब्रेरी में ऑनलाइन तैयारी को सीडीएस का बैच उपलब्ध करवाया

- ग्रामीण स्तर पर शिक्षा का माहौल तैयार करने को लाइब्रेरी जरूरी

हरिभूमि न्यूज ⏭ तोशाम

ग्रामीण स्तर पर शिक्षा का माहौल तैयार करने के लिए लाइब्रेरी का होना बहुत जरूरी है, उक्त शब्द गांव बुशान की लाइब्रेरी में पहुंचे जितेंद्र श्योराण ने उपस्थित ग्रामीण व विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहे। श्योराण ने कहा कि सरकारी स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों को भी आगे लेकर आए और उनको सम्मान देना बहुत जरूरी है, यदि गांव में गरीब परिवारों को ऊपर उठाना है तो हमें प्रत्येक बच्चे को बेहतरीन शिक्षा देना जरूरी है। श्योराण ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है उनको निखारने के लिए इस तरह की सामाजिक सस्थाएं होना बहुत जरूरी है।

सारा देवी के 93वें जन्मदिन पर 101 बरगद के पेड़ लगाए, ग्रामीणों ने ली संरक्षण की जिम्मेदारी

लोहारू। त्रिवेणी बाबा की माता सारा देवी ने अपने 93वें जन्मदिन को पर्यावरण के लिए समर्पित किया है तथा उनके जन्मदिन के मौके पर उपमंडल के गांव झुप्पा कलां में बरगद के 101 पौधे रोपित किए गए तथा ग्रामीणों ने उन पौधों के संरक्षण की जिम्मेदारी ली। इस पौधा रोपण अभियान में गिगनाऊ, बारवास, झुप्पा खुर्द, सिघानी, गोठड़ा, कैरू व भिवानी के अनेक पर्यावरण प्रेमियों ने हिस्सा लिया। झुप्पा निवासी युवा नमन शर्मा ने 5 पौधों को गोद लिया तथा उनके पेड़ बनने तक देखभाल करने का संकल्प लिया। सेवानिवृत्त अधीक्षक दर्शनानंद नेहरा की अध्यक्षता में चलाए गए इस अभियान को लेकर ग्रामीणों में काफी उत्साह दिखाई दिया।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन नं. : 8295157800, 8814999151, 9253681005

फैशन डिजाइनिंग में रोजगार की अपार संभावनाएं: कुलपति

- सीबीएलयू से फैशन डिजाइनिंग में बैचलर डिग्री कर संवारे अपना भविष्य : वीसी

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय कुलपति प्रो दीप्ति धर्माणी की अगुवाई और कुलसचिव डॉ ऋतु सिंह के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों को रोजगारपरक गुणवत्तापूर्ण संस्कारी शिक्षा प्रदान करने को पूर्णतया कृत संकल्पित है।

इसी कड़ी में विवि के ओल्ड कैंपस में स्वर्ण जयंती यूनिवर्सिटी कॉलेज शुरू किया जा रहा है जिसमें आठ विभिन्न रोजगारपरक कोर्सेज प्रारंभ किए जा रहे हैं उन्हीं कोर्सेज में से बैचलर ऑफ फैशन डिजाइनिंग डिग्री कोर्स है। यह जानकारी विश्वविद्यालय के प्रवक्ता ऋषि शर्मा ने दी है।

उन्होंने बताया कि डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो डीके मदान द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक फैशन डिजाइनिंग पाठ्यक्रम पूरा करने के बाद रोजगार और स्वरोजगार के साथ कमाई के बेहतर एवं अपार अवसर हैं । एक फैशन डिजाइनर अपने कपड़ों की मॉडलिंग स्वयं कर सकता है। वे एक फ्रीलांस मॉडल भी हो सकते हैं या किसी एजेंसी के साथ काम कर सकते हैं, जो उन्हें सर्वश्रेष्ठ ब्रांडों, डिजाइनरों, फोटोग्राफरों आदि से जुड़ने में मदद करेगी।

कुंगड़ के युवक ने ए नेगेटिव ब्लड देकर बचाई मरीज की जान

भिवानी। इलाज की सुविधा होने के बाद भी कई बार लोगों के जीवन की डोर सिर्फ इसलिए टूट जाती है कि उन्हें समय पर खून नहीं मिलता। रक्तदान से किसी व्यक्ति का जीवन बचाया जा सकता है। तोशाम के मालिक अस्पताल में दाखिल रतेरा गांव निवासी मरीज के लिए रेयर ब्लड ग्रुप ए नेगटिव की जरूरत हुई तो परिजनों ने काफी तलाश के बाद रक्तवीर राजेश डुडेजा से सम्पर्क साधा। उन्होंने तुरन्त कुंगड़ निवासी नरेंद्र से सम्पर्क किया और उन्हें रात्रि 9 बजे गांव से बुलाकर ब्लड बैंक में ब्लड डोनेट करवाया। राजेश डुडेजा ने बताया कि किसी अंजान जरूरतमन्द की जान बचाने के लिए रक्तदाता आगे आएं।

1400 पौधें रोपित कर बनाया रिकॉर्ड

- प्रत्येक जन को पौधारोपण और पर्यावरण संरक्षण को अपनी आदत बनाना होगा :डीएफ ओ
- मानसून के इस सीजन में दादरी जिला को हरा-भरा बनाना उनका लक्ष्य

चरखी दादरी। पौधे रोपित करवाते हुए डीएफओ। फोटो: हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ⏭ चरखी दादरी

मॉडल दादरी जिला बनाओ संगठन एवं वन मंडल चरखी दादरी द्वारा ग्राम पंचायत रानिला के तत्वावधान में गांव रानीला स्थित बड़ा स्कूल में पहला पौधारोपण शिविर का आयोजन किया गया। जिसके तहत 1400 पौधे एक साथ रोपित कर एक रिकॉर्ड बनाया गया।

पौधरोपण महाअभियान का शुभारंभ डीएफओ नवल किशोर ने किया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के तौर पर मॉडल दादरी जिला बनाओ संगठन के संयोजक बलवान साहु पहुंचे तथा अध्यक्षता रेंजर ऑफिसर हेमंत पारिक व सरपंच संजीत ने की। इस मौके पर रोपित किए गए सभी पौधों की देखरेख व पेड़ बनने तक संरक्षण की जिम्मेवारी ग्रामीणों ने ली। इस अवसर पर डीएफओ नवल किशोर ने कहा कि हम सभी को पौधारोपण और पर्यावरण संरक्षण को अपनी आदत बनाना चाहिए, ताकि हम अपनी आने वाली पीढ़ियों को एक स्वच्छ वातावरण दे सकें। इस मौके पर मॉडल दादरी जिला बनाओ संगठन के युवा विंग के अध्यक्ष अनिलबलवान साहु ने कहा कि दादरी जिला में एक लाख पौधें रोपित करने का लक्ष्य रखा गया है।

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु.2000/- रु.2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
भिवानी : हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन : 8814999170, दादरी : 9253681008

सारी चीज बेशक भूलो, परमात्मा का नाम न भूलो : कंवर साहेब

प्रभु का नाम सारी उलझनों को सुलझाने वाला

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

सारी चीज बेशक भूल जाओ, लेकिन परमात्मा के नाम को कभी न भूलो, क्योंकि दुनियादारी की सारी चीजें उलझाने वाली हैं, लेकिन प्रभु का नाम सारी उलझनों को सुलझाने वाला है, ये सत्संग वचन परमसंत सतगुरु कंवर साहेब महाराज ने दिनोद गांव स्थित राधा स्वामी आश्रम में फरमाए। हुजूर कंवर साहेब ने कहा कि जिस प्रकार लकड़ी में आग है, लेकिन बिना बार बार रगड़े लकड़ी से अग्नि नहीं फूटती, वैसे ही हमारे अंतर में ही परमात्मा का नाम है, लेकिन बिना बार बार अभ्यास किये वो भी प्रगट नहीं होता। उन्होंने कहा कि बिना दूध को मथे मखन्न नहीं निकलता, वैसे ही बिना मंथन के परमात्मा के दर्शन भी नहीं होते। गुरु महाराज ने फरमाया कि नाम का सुमिरन भक्ति की पहली पीढ़ी है, चिंतन मनन और सुमिरन तीन अवस्थाएं हैं। जाप को अजपा में तब्दील करने के लिए तीनों अवस्थाओं से निकलना पड़ता है। हद से अनहद में प्रवेश आपकी लग्न पर आश्रित होता है।

भिवानी। संगत को प्रवचन देते हुजूर कंवर साहेब महाराज। फोटो: हरिभूमि

मन पर शैतानी शक्तियों का कब्जा मत होने दो

हुजूर साहेब ने बताया कि अपने मन पर शैतानी शक्तियों का कब्जा मत होने दो, यदि एक बार आप पर काल हावी हो गया तो समझो आप उसके जाल में उलझ गए। काल आपको परमात्मा से गाफिल करेगा, विषय वासनाओं की खुराक देगा। इसी खुराक में फंसकर आप उस चीज से हर पल दूर होते चले जाओगे जिसे पाने के लिए आप इस यौनि में आये थे। सच्चाई के मार्ग पर चलने वालों का तो सब कुछ ही सत्संग से बनता है। सत्संग न केवल आपका जीवन बनाता है, बल्कि आप से जुड़े दूसरे जीवों का भी जीवन सुधारता है।

अच्छे सत्संगी की संतान खुद सत्संग वचनों को सीख जाती

कंवर साहेब ने कहा कि डॉक्टर का लड़का डॉक्टरी, किसान का बेटा किसानी, बढ़ई की सन्तान बढ़ईगिरी स्वतः सीखती है, वैसे ही अच्छे सत्संगी की सन्तान भी स्वतः सत्संग वचनों को सीख जाती है, अगर आपके सत्संग का असर आपकी सन्तान पर नहीं आया तो समझो आप केवल ढोंग कर रहे हो। गुरु आपकी मलिनता को धोते है, गुरु से बाजी लगाओ तो तन मन धन की बाजी लगाओ, जैसी आपकी भावना वैसा ही फल आपको गुरु दे देगा।

योग, चिकित्सा शिविर का हुआ समापन

बहल। आर्य समाज विकास ट्रस्ट के तत्वावधान में आर्य समाज मंदिर में योग, ध्यान व चिकित्सा शिविर का रविवार को समापन किया गया। इसके साथ आर्य यज्ञशाला में चल रहे सामवेद यज्ञ पूरा होने पर उपस्थितजनों ने वेद मंत्रों के उच्चारण के बीच पूर्णाहुति दी। योगाचार्य हरपाल शास्त्री ने कहा कि यज्ञ हमारे विचारों व वातावरण की शुद्धि के लिए ऋषि मुनियों द्वारा दी गई प्राचीन विद्या है। रविवार को शिविर में साधकों को विभिन्न योगासनों अभ्यास करवाया। योगाचार्य हरपाल शास्त्री ने एक एक आसन की सही विधिए आसन के दौरान श्वासों की गति व इससे शरीर में होने वाले विभिन्न लाभों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि शरीर को स्वस्थ रखने के लिए इससे बड़ी निशुल्क औषधि कोई नहीं है।